

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

प्रसाद के लिए शुद्ध घी में बनी

बूंदी

₹520/- 400/- Per Kg

91678 99501

MM MITHAIWALA

OPP. RLY STN, MALAD (W) TEL.: 2889 9501

DESI VILLAGE

RESTAURANT & CAFE DUBAI

‘मैंने उसे मार डाला’...दर्शन के बाद पत्नी का कत्लेआम



मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने न केवल पुलिस तंत्र को, बल्कि आम नागरिकों को भी झकझोर कर रख दिया है। यहाँ एक पति ने पहले अपनी पत्नी के साथ मंदिर में दर्शन किए, फिर लौटते समय सुनसान घाट में ले जाकर चाकू से उसकी नृशंस हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने खुद पुलिस थाने पहुंचकर अपना गुनाह कबूल किया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

गड़चिरोली के जंगलों में खतम होगा नक्सलवाद

सीएम फडणवीस ने जगाया विश्वास, बोले- शहरी माओवादी का बढ़ेगा खतरा



मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार (6 जून) को गड़चिरोली पहुंचे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित कवांडे पुलिस चौकी का दौरा किया। इस चौकी की स्थापना महाराष्ट्र पुलिस ने इसी साल मार्च में की थी। चौकी का दौरा करने के बाद महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने यहां के विकास के बारे में कहा, कवांडे सीमा पर पहला गांव या छत्तीसगढ़ से प्रवेश करने के बाद सबसे पहले आने वाला गांव है। पास में अबुलमाडू का जंगल है और यहां प्रशासन भी नहीं पहुंच पाता था। लेकिन हमारी पुलिस ने यहां चौकी खोली। इस चौकी की वजह से न सिर्फ पुलिस का दबदबा बढ़ा है बल्कि हमने सुरक्षा की कमी को भी पूरा किया है। हमने यहां 4जी टावर भी लगाया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ईडी दफ्तर की आग में जला छगन भुजबल का पासपोर्ट



कोर्ट ने दी राहत, बढ़ाई विदेश यात्रा की सीमा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। एनसीपी के वरिष्ठ नेता और मंत्री छगन भुजबल को विदेश यात्रा के लिए समय सीमा बढ़ा दी गई है। अप्रैल में मुंबई के ईडी कार्यालय में लगी आग के कारण छगन भुजबल और उनके बेटे पंकज भुजबल के पासपोर्ट क्षतिग्रस्त हो गए थे। मुंबई स्थित ईडी कार्यालय में अप्रैल माह में आग लग गई थी। इस आग में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर नष्ट हो गए, जिसमें भुजबल और उनके पुत्र पंकज के पासपोर्ट भी शामिल थे। इसकी पुष्टि ईडी ने मुंबई सत्र न्यायालय के समक्ष की। इसके बाद विशेष अदालत ने इस पर संज्ञान लेते हुए छगन और पंकज को विदेश यात्रा के लिए समय सीमा बढ़ाने की अनुमति दे दी। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भुजबल पिता-पुत्र फिलहाल जमानत पर हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

‘...नहीं होगा समझौता’

मनसे-यूबीटी गठबंधन पर कांग्रेस का बड़ा बयान

मुंबई हलचल/संवाददाता / मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी और मनसे की गठबंधन की चर्चा जोरो पर है। इस गठबंधन की चर्चा के बीच महाविकास अघाड़ी में इसका क्या असर पड़ेगा? ये बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। इस गठबंधन को लेकर अब कांग्रेस के नेताओं ने अपना रुख साफ कर दिया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)



हमारी बात

ना से देर भली!

जनगणना कराने का फैसला स्वागतयोग्य है। जनगणना एकमात्र प्रक्रिया है, जिससे ना सिर्फ देशवासियों की सही संख्या का पता चलता है, बल्कि लोगों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति के प्रामाणिक आंकड़े भी प्राप्त होते हैं। बाकी सभी आंकड़े सैंपल सर्वे पर आधारित होते हैं।

ठोस आंकड़ों से गुरेज और कृत्रिम आंकड़ों में अधिक रुचि लेने के लिए चर्चित नरेंद्र मोदी सरकार ने आखिरकार जनगणना कराने का फैसला किया है। यह स्वागतयोग्य है। जनगणना एकमात्र प्रक्रिया है, जिससे ना सिर्फ देशवासियों की सही संख्या का पता चलता है, बल्कि लोगों की आर्थिक- सामाजिक स्थिति के प्रामाणिक आंकड़े भी प्राप्त होते हैं। बाकी सभी आंकड़े सैंपल सर्वे पर आधारित होते हैं, जो वैसे तो विश्वसनीय हैं, मगर यह भी सच है कि उभरने वाली सूरत काफी कुछ सर्वेक्षण की विधि, सैंपल के चयन और सर्वेक्षकों की योग्यता से तय होती है। बिना ठोस आंकड़ों के विकास या सामाजिक कल्याण की कोई नीति तय करना विवादास्पद बना रहता है। मसलन, गरीब परिवारों के लिए कोरोना काल से जारी मुफ्त अनाज वितरण योजना की एक बड़ी आलोचना रही है कि वह 2011 के आंकड़ों पर आधारित है और इस कारण करोड़ों लोग उसके लाभ से वंचित हैं। यह सचमुच अफसोसनाक है कि देश में आज तमाम नीतियां जनसंख्या की 15 साल पहले की स्थितियों पर आधारित हैं। 2021 में होने वाली जनगणना कोरोना महामारी के कारण नहीं कराई गई। लेकिन इसे 2022 या बाद के वर्षों में क्यों नहीं कराया गया, यह रहस्यमय है। जबकि उन्हीं दौर में तमाम चुनाव होते रहे। इसीलिए लगातार टलती जनगणना को लेकर केंद्र की मंशा पर सवाल खड़े हुए। अब घोषित कार्यक्रम के मुताबिक जनगणना प्रक्रिया एक मार्च 2027 से शुरू होगी और दो चरणों में संपन्न होगी। पहाड़ी राज्यों में यह प्रक्रिया एक अक्टूबर 2026 से आरंभ होगी। इस बार जनगणना का एक खास पहलू जातिगत गिनती है। 1931 के बाद ऐसा पहली बार होगा। इस विवादास्पद निर्णय से व्यवहार में क्या नफा- नुकसान होगा, इस बारे में अभी सिर्फ अनुमान लगाए जा सकते हैं। लेकिन इस फैसले के पीछे सियासी लाभ की प्रेरक सोच जग- जाहिर है। इसके अलावा जनगणना के बाद एक बड़ा सवाल लोकसभा सीटों के परिसीमन का उठेगा। यह विवाद भी गंभीर रूप ले चुका है। ऐसे में इस अनुमान का ठोस आधार है कि अगली जनगणना से सामाजिक और क्षेत्रीय विभाजन की खाइयां और चौड़ी हो सकती है।

कानपुर के सीपी अखिल कुमार की अपील : सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाएं बकरीद

कानपुर। यहां बीते सभी त्योहारों को भी सौहार्द और शांति पूर्ण तरीके से संपन्न कराने में सफल बेहद जुझारू वरिष्ठ आईपीएस एडीजी अखिल कुमार की अगुवाई वाली कमिश्नरेट पुलिस ने आज बकरीद के त्यौहार को भी पूर्ण शांति और सद्भाव के साथ संपन्न कराने के लिए अपनी कमर कस ली है। यही नहीं इसके लिए उसने इस बारे में जिस तरह की तगड़ी तैयारियां की है, उसके मुताबिक बीते हर त्योहार की तरह बकरीद का त्यौहार भी पूर्ण शांति और सद्भाव के साथ ही संपन्न होकर रहेगा। इसके लिए थानों में भी पीस कमेटियों के साथ बैठकों का दौर जारी रहा है। जिसमें ईद उल अजहा यानी बकरीद के त्यौहार को भाईचारे और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील के साथ ही योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली



यूपी सरकार की उस आदेश निर्देश और मंशा से भी अवगत कराया गया है, जिसके तहत नमाज सड़कों पर कदापि नहीं पढ़ी जाएगी। और जो भी ऐसा करेगा। उसके खिलाफ तत्काल ही कड़ी कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। अवगत कराते चलें कि प्रदेश के इस अति संवेदनशील जिले में ईद बकरीद समेत लगभग सभी त्योहारों को तरीके से संपन्न करा लेना शुरू से ही पुलिस

प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रही है। यह भी सच है कि बकरीद जैसे किसी भी त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करा ले जाना तभी संभव होता है, जब उसके लिए हर तरह से मजबूत तैयारियां की गई हों।

इसी क्रम में जहां तक आज 7 जून को होने वाले बकरीद इस त्यौहार को शांति और सद्भाव पूर्ण तरीके से संपन्न कराए जाने का सवाल है। इसके लिए देश प्रदेश के कर्तव्य निष्ठ और ईमानदार आईपीएस अधिकारियों में गिने जाने वाले यहां के जुझारू पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने सारी तैयारियां कर ली हैं। वह इस बारे में अपने मातहतों को आवश्यक आदेश निर्देश भी पहले ही दे चुके हैं। इस बारे में सूत्रों का दावा यह भी है कि ट्रैफिक समस्या के खिलाफ मिली अभूतपूर्व सफलता के साथ ही

हर घटना के सटीक अनावरण और हर तरह के अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के रूप में जनता को भारी राहत पहुंचाने के फलस्वरूप कानपुर में कमिश्नरी के गठन को अपनी कठोर परिश्रम वाली नेतृत्व कुशलता से सार्थक करने में भी सफल बेहद जुझारू तेवरों वाले अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली के तेज तर्रार और व्यवहार कुशल पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने योगी सरकार की मंशा के अनुरूप जिस तरह की तगड़ी तैयारियां की हैं, उसके फलस्वरूप बीते हर त्योहार की तरह बकरीद के त्यौहार को भी पूर्ण शांति और सद्भाव के साथ संपन्न होने से कोई ताकत नहीं रोक सकती।

पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लें : आस्था आर्या

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वाधान में शिक्षाविद डा. अमिता चौहान व डॉ. अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल नोएडा में चल रहे विशाल युवक चरित्र निर्माण शिविर में चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नई दिल्ली, दिल्ली सरकार के निदेशक डा. उमेश कुमार सपरा, एम. डी. एच. एम. एम. (आयुर्वेद), पी. एच. डी. द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में अपना अभिभाषण दिया जिसका विषय गुड बिहेवियर एवं सॉफ्ट स्किल था। डा. सपरा ने मुख्य 10 सॉफ्ट स्किल के बारे में शिविर में आये आर्य युवकों को बताया। जिसमें कम्युनिकेशन, सेल्फ मोटिवेशन, नेतृत्व, उत्तरदायित्व, टीम वर्क, समस्या को सुलझाना, निर्णायकता, समय प्रबंधन, लचीलापन और बातचीत तथा विवाद समाधान मुख्य रूप से किसी भी व्यक्ति को जीवन में बहुत आगे तक ले



जा सकते हैं। राष्ट्रीय महामंत्री महेंद्र भाई ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना मानवता के लिये यह अत्यन्त

आवश्यक है। विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने पूर्वजों के नाम से वृक्षीय पौधा लगा कर बड़ा होने तक उसकी सुरक्षा का दायित्व सम्भालें। आस्था आर्या ने कहा कि प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करने का संकल्प लेना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा प्लास्टिक की छोटी छोटी बचत से आदत बन जाएगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे अशोक गुप्ता (प्रधान आर्य समाज सूरजमल विहार) कैप्टन अशोक गुलाटी मंत्री आर्य समाज नोएडा जो के अध्यक्ष थे, ने भी अपने विचार प्रकट किये। प्रवीण आर्या पिकी, कमल आर्य, यज्ञ वीर आर्य, पतराम त्यागी के भजन हुए। प्रमुख रूप से सौरभ गुप्ता, अरुण आर्य, रामकुमार आर्य, विवेक अग्निहोत्री आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

वांछित फाउंडेशन टीम द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

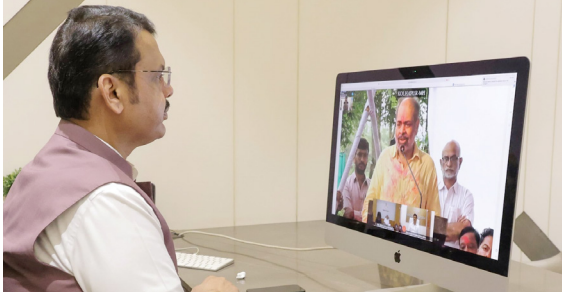


मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। वांछित फाउंडेशन दिल्ली टीम ने विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2025) के अवसर पर, डॉ. सुनीता मेहरोत्रा, अध्यक्ष वांछित फाउंडेशन के संग, जहांगीरपुरी के ए ब्लॉक में फल वाले वृक्षों जैसे- आम, आवला, तुलसी का पौधारोपण किया। जिससे क्षेत्र में हरियाली और स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय निवासियों को ताजे फलों का लाभ मिलेगा। इस पहल से न केवल पर्यावरण को लाभ होगा, बल्कि समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण में भी सुधार होगा। डॉ. सुनीता मेहरोत्रा ने वांछित महिला टीम को धन्यवाद दिया साथ ही निवेदन किया की पौधों की विशाल पेड़ के रूप में बनाने के लिए अपना पूरा प्रयास करना होगा। वांछित फाउंडेशन पौधा रोपण को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में वहां की निगम पार्षद श्रीमती सुमन शर्मा, मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत मुखी, युवा समाज सेवक साक्षित मेहरोत्रा, दलबीर पुनिया, उमेश रहलान, रेखा, शिमला, नीतू आदि उपस्थित रहे।

कोल्हापूर श्री जोतिबा पहाड़ी क्षेत्र में 'दक्खन केदारण्य' के नाम से पुनः वन निर्माण का संकल्प!

सांगली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग, वन विभाग, जिला प्रशासन और पश्चिम देवस्थान समिति कोल्हापूर के सहयोग से जोतिबा पहाड़ (कोल्हापूर) में 10,000 वृक्षारोपण कार्यक्रम, 'दक्खन केदारण्य' के निर्माण और श्री ज्योतिर्लिंग क्षेत्र बहुआयामी उत्कर्ष प्राधिकरण का (ऑनलाइन) उद्घाटन किया। इस अवसर पर जोतिबा पहाड़ी क्षेत्र में दक्खन केदारण्य के नाम से पुनः वन निर्माण का संकल्प लिया गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपस्थित लोगों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं।



मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रसन्नता व्यक्त की कि दक्खन केदारण्य की अवधारणा अत्यंत सराहनीय है और इसका शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जोतिबा मंदिर एवं क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य एवं पर्यावरण अनुकूल

परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। जहां भी आवश्यकता होगी, सरकार इन कार्यों के लिए पूरी तरह से साथ रहेगी। इस अभियान का उद्देश्य बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चार हजार वर्ष पूर्व जोतिबा पर्वतीय क्षेत्र में दक्खन केदारण्य नाम से वन विद्यमान था, उसे पुनः बनाने का

संकल्प लिया गया है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, इसलिए उनकी सुविधा एवं प्रकृति संरक्षण के लिए ये गतिविधियां महत्वपूर्ण हैं। जोतिबा मंदिर एवं क्षेत्र विकास योजना का एक बड़ा हिस्सा जोतिबा पर्वत को हरा-भरा बनाना है। श्रीक्षेत्र ज्योतिर्लिंग देवस्थान पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इसलिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आशा व्यक्त की कि विकास योजना के माध्यम से ऐसे कार्य किए जाएंगे, जिससे उनकी सुविधा के लिए अच्छी सुविधाएं उपलब्ध हों और पर्वतीय क्षेत्र का वातावरण खुशनुमा बना रहे। इस अवसर पर विधायक डॉ. विनय कोरे एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पहेला 'अपना घर आश्रम' आश्रयहीन महिलाओं के लिए अब मुंबई में

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुर्

मुंबई। आश्रयहीन असहाय बीमार प्रभुजनों की सेवार्थ मालाड पूर्व में शिशु वेलफेयर ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा संचालित अपना घर आश्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जॉइन्ट कमिश्नर लॉ एंड आर्डर सत्यनारायण चौधरी (आयपीएस) के हाथों हुआ। देश के अन्य भागों में लगभग 65 अपना घर आश्रम हैं और मालाड पूर्व जनरल ए.के. वैद्य मार्ग वेलेंटाइन कॉम्प्लेक्स में लाचार बेसहारा जरूरतमंद महिलाओं के लिए अब शुरू किया गया। मुंबई में महिलाओं के लिए पहला और वसई में पुरुषों के लिए निस्वार्थ भाव से यह आश्रम चलाया जा रहा है। इस मौके पर अन्य अतिथि निधि चौधरी (आईएसएस), वीरपाल सिंह (राष्ट्रीय संरक्षक), डॉ. माधुरी भारद्वाज, संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज, राष्ट्रीय अध्यक्ष रामस्वरूप अग्रवाल, चेयरमैन सुभाष गुप्ता, प्रेसिडेंट अंबिका अग्रवाल, सचिव सीमा मुकीम, संयुक्त सचिव शिवानी पटोदिया, कोषाध्यक्ष मंजू मुरारका और संयुक्त कोषाध्यक्ष रश्मी हरलालका और अशोक गोयल सहित



सैकड़ों लोग मौजूद रहे। मुख्य अतिथि सत्यनारायण चौधरी ने कहा कि हम सभी को मिलकर कुछ ऐसा करना चाहिए और लोगों में संस्कार डालने चाहिए की इस तरह के आश्रम की देश में जरूरत ना पड़े। निधि चौधरी ने कहा कि बीमार लोगों को देखकर उनकी मदद करे उन्हें प्यार दें। आंखें बंद करने के बजाय पुरे मन से सेवा करें। अपना घर आश्रम के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज ने कहा कि यह

उन सभी का घर है जिनका कोई नहीं है। ऊपर वाला जरूरतमंद लोगों की सेवा करने के लिए अपने दोनों हाथ खुले रख कर हम सभी को सहारा दिए हुए हैं। रामस्वरूप अग्रवाल ने कहा कि यह आश्रम न सिर्फ एक निवास स्थान है, बल्कि एक आशा की किरण है उन सभी के लिए, जिन्हें ज़िंदगी में सहारा चाहिए। जरूरतमंद हेल्पलाइन नंबर 8655349940 पर संपर्क कर सकते हैं।

नाबालिग बालिका का अपहरणकर्ता पांच हजार रूपए का ईनामी गिरफ्तार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान/चित्तौड़गढ़। नाबालिग बालिका का अपहरण करने वाले पांच हजार रूपए का ईनामी बदमाश को कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वही बालिका को दस्तयाब कर परिजनों को सिपुर्द किया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि 16 मार्च को निम्बाहेड़ा कोतवाली के आक्या निवासी कमल कीर पुत्र मदनलाल कीर उसके गांव की ही एक नाबालिग बालिका को अपहरण कर ले जाने के मामले में प्रकरण

दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर में दायर डी.बी. हैबियस कॉर्पस रिट याचिका में प्राप्त निदेशों की पालना में बालिका की दस्तियाबी हेतु आरोपी व अपहृता की तलाश के लिए पांच पांच हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की गई। एएसपी चित्तौड़गढ़ सरीता सिंह व डीएसपी निम्बाहेड़ा बंदी लाल राव के मार्गदर्शन में थानाधिकारी कोतवाली निम्बाहेड़ा रामसुमेर पु.नि. के निर्देश पर एएसआई सूरज कुमार व पुलिस जाप्ता



कानि. रणजीत, विरेन्द्र सिंह, रणजीत जाखड़, महीला कानि. राजबाला द्वारा नाबालिग के अपहरण के समय से काफी प्रयास कर कई अधिक सीसीटीवी फुटेज देख कर जानकारी प्राप्त की गई तो नाबालिग बालिका का अपहरण कमल कीर निवासी आक्या द्वारा करना पाया गया। कमल कीर की अन्तिम सीसीटीवी फुटेज में अजमेर के पास दिखाई दिया जिसके आधार का आगे के पुलिस थानो पर ईस्तयार वगेरा चस्या किये गये। आसुचना संकलन के आधार पर

जानकारी प्राप्त कर अपहरण कर्ता के गिरफ्तारी हेतु प्रयास किये गये। 04 जून को सुचना पर अपहरण कर्ता व अपहृता जोड़ियो की ढाणी माण्डोता सीकर मे मजदुरी करते पाए गये। बालिका को दस्तयाब कर आरोपी कमल कीर पुत्र मदनलाल कीर को डिटैन कर थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा पर लाये। बालिका को परिजनों को सुपुर्द की गई तथा आरोपी कमल कीर को गिरफ्तार किया जाकर पुलिस अभिरक्षा रिमाण्ड प्राप्त कर अनुसंधान किया जा रहा है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

ईडी दफ्तर की आग में जला छान भुजबल का पासपोर्ट

इस कारण उन्हें हर बार विदेश यात्रा से पहले न्यायालय से विधिवत अनुमति लेनी होती है। इसके बाद ही जांच एजेंसी के पास जमा उनका पासपोर्ट एक निश्चित समय के लिए उन्हें सौंपा जाता है। हालांकि, ईडी कार्यालय में लगी आग के कारण वहां जमा कुछ दस्तावेजों को नुकसान हुआ, जिसमें भुजबल पिता-पुत्र के पासपोर्ट भी शामिल थे। ईडी कार्यालय में लगी आग के कारण पासपोर्ट जलकर फट चुका था। इसी कारण से भुजबल 24 मई से 8 जून तक की अपनी नियोजित विदेश यात्रा पर नहीं जा सके। जब उन्हें नया पासपोर्ट मिला, तब उन्होंने 28 मई को अपनी यात्रा शुरू की। इसलिए भुजबल ने कोर्ट से अपनी विदेश यात्रा की समय सीमा 12 जून तक बढ़ाने की अनुमति मांगी।

गड़चिरोली के जंगलों में खत्म होगा नक्सलवाद

पुलिस ने सुरक्षा दी है और हम इस चौकी के जरिए सरकारी योजनाएं भी पहुंचाते हैं। इसलिए इससे लोगों में विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित कवांडे पुलिस चौकी का दौरा किया। नक्सलवाद को खत्म करने की समयसीमा पर उन्होंने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संकल्प लिया है कि हम मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद मुक्त कर देंगे। इसलिए, इस लक्ष्य को लेकर अच्छा काम चल रहा है। महाराष्ट्र ने इसे अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। लेकिन समस्या यह थी कि छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर भर्ती हो रही थी और वहां से माओवादी यहां अपनी गतिविधियां चलाने के लिए आते थे। उन्होंने आगे कहा, अब छत्तीसगढ़ में नई सरकार ने केंद्र के सहयोग से माओवादियों की कमर तोड़ दी है। जल्द ही हम पूरे इलाके में सुरक्षा की कमी को पूरा करेंगे, पुलिस का दबदबा होगा और हम मार्च 2026 तक इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। देवेंद्र फडणवीस ने कहा, हम जानते हैं कि जैसे ही जंगलों में नक्सलवाद खत्म होगा, शहरी माओवादी बड़े पैमाने पर सक्रिय हो जाएंगे।

'मैंने उसे मार डाला'...दर्शन के बाद पत्नी का कत्लेआम

इस सनसनीखेज वारदात में मृत महिला की पहचान शुभांगी सचिन राजपूत (29 वर्ष) के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति का नाम सचिन राजपूत (32 वर्ष) है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। गुरुवार को सचिन और शुभांगी ने एक साथ प्रसिद्ध धार्मिक स्थल जोतिबा मंदिर में दर्शन किए थे। श्रद्धा और भक्ति के माहौल में बिताए उस दिन के बाद कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि यह यात्रा हत्या जैसी क्रूर वारदात में बदल जाएगी। मंदिर से लौटते समय दोनों ने एक सुनसान घाट क्षेत्र का रास्ता लिया। जैसे ही दोनों घाट के बीचोंबीच पहुंचे, वहां सचिन ने चाकू निकाला और पत्नी शुभांगी पर बेरहमी से वार करने लगा। कई वारों के बाद महिला ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। खून से सना शव सुनसान इलाके में झाड़ियों के बीच पड़ा रहा और आरोपी वहां से निकलकर घर गया, फिर सीधे सोलापुर के एक पुलिस थाने पहुंचा और बोला, मैंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। सचिन की इस चौंकाने वाली कबूलनामा के बाद पुलिस तत्काल हरकत में आई। शुक्रवार सुबह पुलिस दल ने सर्व ऑपरेशन शुरू किया और घटनास्थल पर जाकर जांच की।

'...नहीं होगा समझौता'

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने शुक्रवार को कहा कि अगर शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच राज्य के हित में और 'सांप्रदायिक' भाजपा को दूर रखने के लिए गठबंधन होता है, तो वह इसका स्वागत करेगी। दोनों चचेरे भाइयों- शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे बीच संभावित सुलह की अटकलों के बीच कांग्रेस ने यह बयान दिया है। दोनों नेताओं के बयानों से संकेत मिले हैं कि वे एक दूसरे से हाथ मिला सकते हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रवक्ता अतुल लोंढे ने कहा, शिवसेना यूबीटी और मनसे दोनों की ओर से यह बात सामने आई है कि वे महाराष्ट्र के हितों की रक्षा करने और सांप्रदायिक भाजपा को दूर रखने के लिए हाथ मिलाएंगे।

अल्लाह के उपकारों का आभार प्रदर्शन है नमाज

इस्लामी जीवन व्यवस्था में हर बालिक मर्द औरत पर पांच वक्त की नमाज अदा करना अनिवार्य है और विशेष परिस्थितियों में कुछ सुविधा प्रदान की गई है और हफ्ते में मर्दों को जुमा की विशेष नमाज अदा करना भी अनिवार्य है और रमजान के महीने में विशेष नमाज तरावीह भी पढ़ी जाती है और ईद उल फितर और ईद उल अजहा को भी विशेष नमाज पढ़ी जाती है। किसी मुसलमान की इंतकाल हो जाने पर नमाजे जनाजा भी पढ़ी जाती है और उसकी बख्शीश के लिए अल्लाह से दुआ की जाती है कोई कामयाबी और खुशी मिलने पर अल्लाह का शुक्र अदा करने के लिए भी नमाज अदा की जाती है। आज मुसलमान (अल्लाह के फरमाबरदार) ईद उल अजहा के मुबारक मौके पर विशेष नमाज अदा करेंगे। अल्लाह ने शरीर और आत्मा को एक साथ पैदा किया है अगर यह बात सही है तो क्या यह जरूरी नहीं होगा कि इंसान जिस तरह अपने शरीर के साथ नमाज अदा करता है उसी तरह अपनी आत्मा के साथ भी नमाज अदा करे। देखिए मैं आपको बताता हूँ कि हम इस तरह नमाज क्यों अदा करते हैं हम काबे की ओर इस एहसास के साथ चेहरा करते हैं कि अल्लाह ही हमारे सोच विचार की तरफ बिंदु है और खाने काबा एक दिशा है जो दुनिया के भर के मुसलमान का केंद्रीकरण करता है और मुसलमान एक शरीर है जो सब बराबर है और सब समान है।

हम सीधे खड़े होते हैं और दोनों हाथों की हथेलियां को कानों तक उठकर अल्लाह की महानता व्यक्त करते हैं और कहते हैं अल्लाह हू अकबर (इश्वर ही महान है) और फिर एक आज़ाकारी की तरह अल्लाह के आगे हाथ बांधकर अल्लाह की बड़ाई व्यक्त करते हुए यह प्रार्थना करते हैं की स्तुति एवं प्रशंसा अल्लाह ही के लिए है जो सारे जगहों का स्वामी पालनहार एवं शासक है अत्यंत कृपा शील और बड़ा ही दयावान है निर्णय के दिन का स्वामी वही है ऐ प्रभु हम तेरी उपासना करते हैं तुझी से सहायता चाहते हैं हमें सम्मार्ग दिखा उन लोगों का मार्ग जिन पर तेरी अनुकंपा रही जिन पर तेरा प्रकोप नहीं हुआ और जो पथभ्रष्ट नहीं हुए फिर हम कहते हैं आमीन है ऐ प्रभु ऐसा ही हो फिर ऐसा ध्यान में रखते हुए कुरान का पाठ करते हैं की यह अल्लाह की ओर से अवतरित जीवन संविधान है जो उसने मनुष्य के जीवन को व्यवस्थित करने और सफल बनाने के लिए भेजा है फिर हम अल्लाह की बड़ाई व्यक्त करते हुए कहते हैं कि अल्लाह हू अकबर (इश्वर ही महान है) विचार करते हैं की अल्लाह के अतिरिक्त कोई उपासना का अधिकारी नहीं है और उसके सामने झुक जाते हैं और कहते हैं मेरा महान प्रभु बड़ा ही महिमावान है इसलिए कि हम उसे सबसे ऊंचा सबसे बड़ा समझते हैं उसकी श्रेष्ठता और महानता का गुणगान करते हैं और फिर सीधे खड़े हो जाते हैं और फिर कहते हैं अल्लाह ने उसकी सुन ली जिसने उसकी गुणगान स्तुति की फिर अल्लाह की प्रशंसा महानता व्यक्त करते हुए अल्लाह से दुआ फरमाए की अल्लाह उनकी बख्शीश वा मगफिरत फरमाकर उनके दरजात को बुलंद फरमाए और मेरी नेक तमनाये पूरी फरमाए इशाल्लाह आमीन या रब्बुल आलमीन सभी भाइयों बहनों को ईद उल जुहा की बहुत-बहुत मुबारकबाद।

आप सभी भाइयों बहनों से गुजारिश है कि मुझे दीन ईमान का इल्म देने वाली मेरी मोहसिन मेहरबान अम्मी हज्जन जुबेदा भी रहमतुल्लाही अलैहा और अबू जनाब बाबू खान साहब के लिए अल्लाह से दुआ फरमाए की अल्लाह उनकी बख्शीश वा मगफिरत फरमाकर उनके दरजात को बुलंद फरमाए और मेरी नेक तमनाये पूरी फरमाए इशाल्लाह आमीन या रब्बुल आलमीन सभी भाइयों बहनों को ईद उल जुहा की बहुत-बहुत मुबारकबाद।

प्रस्तुति = साजिद खान धनपुरी जिला शहडोल मध्य प्रदेश

बकरीद



इससे पहले कि 'ईदगाह' सिर्फ गूगल पर रह जाए!

ईद का नाम आते ही दिलों में खुशियाँ उमड़ पड़ती हैं। हर तरफ एक जश्न का आलम होता है लेकिन इस जश्न की भीड़ में कुछ है जो खोता जा रहा है जो बहुत कीमती और वो है ईदगाह। आज एक पोस्टर आया मेरे व्हाट्सएप पर जिसमें 40 से ज्यादा मस्जिदों की ईद की नमाज का वक्त दर्ज था। देख के दिल खुश नहीं हुआ बल्कि टूट गया। क्या यही है हमारा इतेहाद? क्या यही है उस नमाज की रूह जिसे नबी करीम ने ईदगाह में अदा करने का हुक्म दिया था? हमने अपनी सहूलत के लिए, अपने आराम के लिए, अपनी जिंदगी की आसानी के लिए उस सुन्नत को फरामोश कर रहे हैं जो हमें जोड़ती है, एक करती है, उम्मत को एक ही सफ में खड़ा करती है। मैं मानता हूँ तादाद ज्यादा है जिसका समा पाना ईदगाह मे मुमकिन नहीं जिसके चलते बड़ी बड़ी मस्जिदो मे अहतमाम किया जा सकता है लेकिन यहीं तो हम उन छोटी छोटी मस्जिदों मे भी ईद की नमाज देख रहे हैं जहाँ जुमा भी नहीं होना चाहिए। मस्जिदों में नमाज वेशक आसान है लेकिन ईदगाह की नमाज असरदार है, असर अंदाज है और सुन्नत के ऐन मुताबिक है। सोचिये, हम रोजाना के मामूली मसाइल में भी सुन्नत की पाबंदी करते हैं। बाल कैसे रखने हैं, नमाज में हाथ कहां बांधने हैं, आमीन जोर से कहना है या धीरे से इस पर बहस कर लेते हैं। फिर जब ईद आती है तो हम आराम की गोद में बैठकर सुन्नत को खत्म कर देते हैं। ईदगाह की अहमियत सिर्फ एक जगह

नहीं, वो हमारी पहचान है, हमारा इतेहाद है। जहाँ अमीर-नारीब, बच्चा-बूढ़ा सब एक साथ खड़े होते हैं। जहाँ हमारे बच्चे देखते हैं कि इस्लाम एक है, उम्मत एक है। क्या हम चाहते हैं कि हमारे बच्चों को ईदगाह का मतलब सिर्फ किताबों में पढ़ने को मिले? क्या हम चाहते हैं कि वो सिर्फ तरवीरों में देखे की ये होती थी ईदगाह? नहीं, बिल्कुल नहीं। इस ईद पर एक वादा करो। चाहे दूर चलना पड़े, चाहे सूरज सख्त हो, चाहे थकावट हो, चाहे थोड़ी तकलीफ हो लेकिन हम ईद की नमाज ईदगाह में ही पढ़ेंगे और अपने बच्चों को, दोस्तों को, पड़ोसियों को भी साथ लेकर चलेंगे। उन्हें बताएंगे, दिखाएंगे की ये है ईद की असल इबादत। अगर आज भी हमने इसको न संभाला तो आने वाली नरले हमसे हिंसाब मोंगेगी की आपने हमारी ईदगाहें क्यों खो दीं? इससे पहले कि ईदगाह सिर्फ एक याद बन जाए, उठो और सुन्नत को जिंदा करो। हर ईद पर ईदगाह चलो, प्लीज।

पैगम्बर इब्राहीम की याद में मनाया जाता है बकरीद का पर्व

इस्लाम धर्म का पवित्र ग्रंथ है कुरआन। कुरआन में इस्लाम धर्म के अनेक पैगम्बर (नबी) बताए गए हैं। इन्हीं पैगम्बरों में एक प्रसिद्ध पैगम्बर इब्राहीम (नबी) थे। पैगंबर इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) का जन्म 25 10 हिजरी से पहले हुआ था। उन्हीं पैगंबर इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) से जुड़ा हुआ है बकरीद का पर्व। इस्लाम के जानकारों का कहना है कि पैगंबर इब्राहीम को अल्लाह की तरफ से ख्वाब आया जिसमें उनसे अपने सबसे प्यारे बेटे की कुर्बानी मांगी गई। पैगंबर इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) के सबसे प्यारे बेटे इस्माईल (अलैहिस्सलाम) थे। यह ख्वाब पैगंबर इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) को लगातार तीन दिन तक आता रहा। जिसके बाद पैगंबर इब्राहीम ख्वाब को अल्लाह का हुक्म मानकर अपने बेटे इस्माईल की कुबानी के लिए निकल पड़े। जैसे ही उन्होंने इस्माईल (अलैहिस्सलाम) की आंखों पर पट्टी बांधकर उनकी गर्दन पर छुरा चलाया, वैसे ही अल्लाह ने इस्माईल की जगह एक दुम्बा (मेंढा) भेज दिया। ऐसा कहा जाता है कि तब से ही बकरीद का पर्व मनाया जाता है। इस घटना से यह सीख मिलती है कि जब कोई इंसान अल्लाह के हुक्म को पूरी तरह मान लेता है तो अल्लाह उसकी नीयत और ईमान की कद्र करता है। हजरत इब्राहीम द्वारा अल्लाह के निर्देश पर दी जाने वाली कुर्बानी की याद में मुसलमान हर साल बकरीद का पर्व मनाते हैं। बकरीद के पर्व पर बकरी, बकरा, दुम्बा, भैंस तथा ऊंट आदि की कुर्बानी दी जाती है।

ईदूल अजहा पर पाकी का दामन हाथ से न जाने दें

आज 7 जून 2025 को ईदूल अजहा का त्यौहार है। सभी एहले इस्लाम को पेशगी मुबारकबाद। ईदूल अजहा ईसार और कुरबानी का त्यौहार है। हमारे व्यवहार से इस बात का पता चलना चाहिए कि सही में हमारा रवैया इसार और कुरबानी का है, दूसरों को तरजीह देना ईसार है और अल्लाह के रास्ते में अपने जानो-माल की कुरबानी का अहद हम चौपाए की कुरबानी कर करते हैं। यह दोनों बातें शऊर और इखलास का तकाजा करती हैं, इस लिए जहां दिल की

कैफि यत रब की रजा के जम्बात से मामूल और कुरबानी के फलसफे को हम बहुत गहराई से समझते हों। इन दो सूरतों में हमारी कुरबानी दुनिया और आखेरत में नतीजाखेज होगी ,इशाअल्लाह अब आते हैं उससे जुड़ी बातों पर जो हुक्क ईसानी से मुतालिक है, इस मौके पर कुरबानी के जानवर के फुजले (नाकाबिल इस्तेमाल अवशेष) का निपटान समझदारी से करें, नगर निगम के वाहनों का इस्तेमाल करें, इन्हें इधर-उधर न फेंकें, कुरबानी के खून को सड़क पर न बहने दें और न उसमें इस्तेमाल होने वाले पानी को। इन्हें जल्द से जल्द साफ कर दें, सड़क पर गंदगी न होने दें और उसे साफ-सुथरा रखें, हमारे घरों के सामने इस तरह का कोई तरल पदार्थ हो तो उसे पानी के जरिए हाथोंहाथ साफ कर दें, याद रखिए नमाजी हजरत इन्हीं सड़कों से गुजरते है, उन्हें परेशानी हो सकती है, अपने घरों के सामने पानी जैसी चीजें न भरी रहने दें, क्योंकि उससे आने-जाने वालों के ऊपर गंदगी उड़ा सकती है। पैगंबर इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया पाकी आधा ईमान है इसलिए साफ सफाई पाक ीजगी का विशेष ध्यान रखें। गोशत का ट्रांसपोर्टेशन को बेहतर तरीके से करें ताकि किसी फसादी

को फसाद करने का मौका न मिले। अपने दरवाजे साइलेंट (मांगने वालों) के लिए बंद न करें, उन्हें कुरबानी का बेहतरीन हिस्सा दें, मोमिन वह होता हो जो अपने लिए पसंद करता है वह दूसरों के लिए पसंद करता है, जो लोग घरों में कनाअत करें बैठे हैं सबसे पहले उन्हें उन्हें गोशत भिजवाए, इस बात का ध्यान रहे कि उनके घर की हंडी बन जाए, इनमें जो लोग ज्यादा जरूरतमंद हो तो उनके घर खाने की दूसरी चीजें एक थेली में पैक कर के साथ में भिजवाए (इस तरह की पैकिंग किराना स्टोर्स पर तैयार मिल जायेगी) ताकि यह लोग दूसरों के दरवाजे पर लाइन लगाकर खाने के इंतजार में न रहकर अपने घरों में पूरी आजादी और खुदारी से ईद की खुशियां मना सके। एक बार फिर मुबारकबाद।

सलीम अंसारी इंदौर

बूस्टर डोज साबित होगा आरबीआई का कदम कर्ज की मांग बढ़ेगी, आर्थिक वृद्धि को मिलेगी गति

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

बैंकों और वित्तीय संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को एक प्रतिशत घटाने के फैसले से खुदरा, कृषि एवं एमएसएमई समेत विभिन्न क्षेत्रों में कर्ज मांग में तेजी आने के साथ पूंजीगत व्यय बढ़ेगा और कुल मिलाकर आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी।

महंगाई दर में नरमी के बीच आरबीआई ने शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत दर रेपो को उम्मीद से अधिक 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत

कर दिया। इसके साथ आरबीआई ने बैंकों के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी एक प्रतिशत की कटौती की घोषणा की।

समय पर नीतिगत बदलाव

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, “आरबीआई द्वारा रेपो दर को 0.50 प्रतिशत घटाकर 5.50 प्रतिशत करने और सीआरआर को चार चरणों में एक प्रतिशत कम करने का निर्णय एक मजबूत तथा समय पर नीतिगत बदलाव को दर्शाता है जो मूल्य स्थिरता के साथ वृद्धि को संतुलित करने के अनुरूप है।”



आर्थिक गति को मजबूत दिशा मिलेगी एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ त्रिभुवन अधिकारी ने कहा, “रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती आरबीआई द्वारा उठाया गया एक साहसिक कदम है। फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती आर्थिक गति को तेज करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। जबकि मुद्रास्फीति को प्रबंधनीय स्तरों के भीतर रखा गया है।”

समय मांग को बढ़ावा मिलेगा निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता ने कहा, “रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती और सीआरआर को एक प्रतिशत तक घटाने की घोषणा, वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के मद्देनजर समय मांग को बढ़ावा देने के केंद्रीय बैंक के प्रयासों को दर्शाता है।”

कृषि क्षेत्र के लिए शुभ संकेत

विनोद कुमार ने कहा, “ऋण वृद्धि पर आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आरबीआई बहुत सक्रिय कदम उठा रहा है। कम ब्याज दरें, विशेष रूप से कृषि क्षेत्र के लिए खुदरा मांग को बढ़ावा देंगी। अच्छे मानसून के साथ कम ब्याज दरें कृषि क्षेत्र के लिए शुभ संकेत हैं।”

बैंकिंग प्रणाली में 2.5 लाख करोड़ की नगदी बढ़ेगी

श्रीवास्तव ने कहा, “सीआरआर में कटौती के निर्णय से बैंकिंग प्रणाली में नकदी में 2.5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि से ऋण के मोर्चे पर स्थिति अच्छी होने की उम्मीद है...हमारा मानना है कि इन फैसलों से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कर्ज विस्तार जरूरी गति मिलने की उम्मीद है, जो समावेशी आर्थिक वृद्धि को तेज करेगा।”

बैंकिंग प्रणाली में अधिक नकदी आएगी

मुथूट फिनकोर्प लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) जॉन मुथूट ने रेपो दर में कटौती पर कहा, “आरबीआई की मौद्रिक नीति की घोषणा समावेशी वृद्धि को समर्थन देने की दिशा में समय पर उठाया गया और विवेकपूर्ण कदम है। रेपो दर में कटौती और सीआरआर में कमी की घोषणा से न केवल कोष की लागत कम होगी बल्कि बैंक प्रणाली में अधिक नकदी भी आएगी।”

मां के सामने कुत्तों ने 6 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला

बिजनोर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के अफजलगढ़ थाना क्षेत्र में इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। मंगलवार सुबह फैजी कॉलोनी की रहने वाली 6 साल की यासमीन अपनी मां गुलशन जहां के साथ दूध लेने गई थी। लौटते वक्त घर से महज 100 मीटर की दूरी पर मां आगे निकल गई और बच्ची पीछे रह गई। इसी दौरान 10 से 12 आवारा कुत्तों के झुंड ने बच्ची पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुत्तों ने बच्ची को चारों ओर से घेर लिया और करीब 5 मिनट तक नोचते रहे। बच्ची के सिर, पेट, कान और पूरे शरीर पर 50 से ज्यादा जगह काटने के निशान मिले हैं। सिर से मांस तक नोच लिया गया और पूरा एक कान कुत्ते खा गए। शरीर पर कपड़े का एक भी टुकड़ा नहीं बचा था। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर मां



गुलशन जहां ने मदद के लिए शोर मचाया। पीछे से जा रहे मजदूरों ने ईट-पत्थर मारकर किसी तरह कुत्तों को भगाया। बच्ची को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मां गुलशन जहां ने बताया कि वह चाय के लिए दूध लेने निकली थीं। यासमीन ज़िद करके साथ चली आई। लौटते वक्त वह थोड़ी पीछे रह गई। जब 2-3 मिनट तक नहीं आई तो मैंने पलटकर देखा। मेरी आंखों के सामने मेरी बच्ची को

कुत्ते खा रहे थे। मैंने जितना बचा सकती थी, बचाया। लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। यासमीन के पिता मजदूरी करते हैं और मां शादी-पार्टी में बर्तन धोने का काम करती हैं। यासमीन 7 भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। किसी भी बच्चे की स्कूलिंग नहीं हो रही है। करीब 4 महीने पहले इसी थाना क्षेत्र के रसूलपुर आबाद गांव में भी एक बच्चे की आवारा कुत्तों के हमले में मौत हो गई थी। इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन या ग्राम पंचायत की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। नगर पालिका अफजलगढ़ के अधिशासी अधिकारी का कहना है कि फैजी कॉलोनी ग्राम पंचायत क्षेत्र में आती है। इसलिए आवारा कुत्तों को पकड़ने का जिम्मा ग्राम पंचायत का है, नगर पालिका की सीमा में यह शामिल नहीं है।

अपराधियों पर किसी भी कीमत पर न दिखाएं सहानुभूति

गोरखपुर। गोरखपुर दौरे पर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लगभग 2 सौ लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी मामलों का त्वरित और न्यायोचित समाधान किया जाए। जनता दर्शन में आए फरियादियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। हर आम व्यक्ति की समस्या का पूरी गंभीरता से समाधान कराया जाएगा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए। मुख्यमंत्री ने भू



माफियाओं, अपराधियों से जुड़ी शिकायतों पर सीएम ने सख्त लहजे में कहा कि ऐसे मामलों में तुरंत कार्रवाई हो। अस्पताल और इलाज से जुड़ी शिकायतें लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार उनके इलाज का पूरा खर्च उठाएगी। सीएम ने निर्देश दिए कि गंभीर मरीजों के इलाज के

लिए इस्टीमेट तैयार कर जल्द फाइल भेजी जाए। साथ ही आयुष्मान कार्ड न होने पर फौरन बनवाने की प्रक्रिया शुरू की जाए। आयुष्मान कार्ड से हर गंभीर रूप से बीमार मरीज को सरकारी इलाज हेतु सहायता पेंमेंट किया जाएगा।

35 की उम्र के बाद बदल लें ये 6 आदतें क्योंकि...

सेहत के लिए अच्छी आदतें : उम्र के हर पड़ाव में अच्छी सेहत के लिए डाइट प्लान बदलना जरूरी हो जाता है। मगर क्या आप जानती हैं कि 35 की उम्र के बाद आपको अपनी आदतों में भी बदलाव करना चाहिए। महिलाओं की ऐसी बहुत-सी आदतें होती हैं, जो 35 की उम्र के बाद सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं। अगर आप में भी ये आदतें हैं तो 35 प्लस होने के बाद बदल लें। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ बुरी आदतों के बारे में, जिसे 35 की उम्र के बाद छोड़ देना ही महिलाओं के लिए बेहतर है।



1. बाहर खाना खाना : महिलाओं को बाहर का स्ट्रीट फूड खाना बहुत पसंद होता है लेकिन यह आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है, खासकर 35 की उम्र के बाद। क्योंकि इस उम्र के बाहर बीमारियां लगने का डर सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में बाहर का खाना आपकी हैलथ पर बुरा असर डाल सकता है।

2. पर्याप्त पानी नहीं पीना : अच्छी हैलथ के लिए पानी पीना बहुत जरूरी होता है। कई बार महिलाएं बोर्डी डिहाइड्रेट होने सोडा ड्रिंक या कोल्ड

ड्रिंक का सेवन कर लेती हैं लेकिन इस समय में शरीर को पानी की ही जरूरत होती है। इसलिए याद रखें कि पानी की जगह आपको सोडा ड्रिंक नहीं लेना है।

3. हेल्दी स्नैक्स को गलत तरीके से खाना : महिलाओं को स्नैक्स खाना बेहद पसंद होता है लेकिन आप जो खाती हैं उसके बारे में सावधान रहें, खासकर अगर आप नाइट-स्नैकर हैं। क्योंकि स्नैक्स में मौजूद चीनी या कैलोरी की मात्रा आपको मोटापे और डायबिटीज का शिकार बना सकती है।

4. एक्सरसाइज से बचना : महिलाएं तो वैसे भी एक्सरसाइज न करने के बहाने ढूंढती रहती हैं लेकिन यह आदत आपको कई गंभीर बीमारियों का शिकार बना सकती है। 35 की उम्र के बाद तो आपको एक्सरसाइज की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए आज ही अपनी इस आदत को बदल लें।

5. रोजाना कॉफी या चाय का सेवन : हर रोज कॉफी या चाय पीने से वजन तेजी से बढ़ता है। घर हो या ऑफिस, महिलाएं एक दिन में कम

से कम 2-3 बार तो इसका सेवन कर ही लेती हैं लेकिन यह आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाती है। इसलिए जल्दी अपनी इस आदत को बदलें।

6. ब्रेकफास्ट न करना : ब्रेकफास्ट न करना महिलाओं की बहुत बुरी आदत है। कुछ महिलाएं ऑफिस जाने में देरी होने के कारण ब्रेकफास्ट स्किप कर देती हैं और कुछ अपनी मर्जी से। वहीं हाउसवाइफ वुमन घर का काम करने के बाद ही खाना पसंद करती हैं। मगर नाश्ता न करना आपको बीमार कर सकता है, खासकर 35 की उम्र के बाद।

30 मिनट में
होममेड मैनीक्योर
से हाथों को बनाए
कोमल और
चमकदार



हाथों की खूबसूरती बनाए रखने के लिए लड़कियां पार्लर में मैनीक्योर या फिर स्या जैसे मंहगे ट्रीटमेंट का सहारा लेती हैं। मगर इसमें मौजूद केमिकल कुछ लोगों की स्किन पर सूट नहीं करते। ऐसे में आप होममेड मैनीक्योर द्वारा अपने हाथों के साथ नाखूनों को भी खूबसूरत दिखा सकती हैं। इतना ही नहीं, घर पर मैनीक्योर करने के लिए अधिक समय देने की भी जरूरत नहीं है। तो चलिए जानते हैं घर पर नेचुरल मैनीक्योर करने का तरीका।

मैनीक्योर के लिए सामान : मैनीक्योर करने के लिए आपको नेलपेंट रिमूवर, नेलकटर, कॉटन, टब या बाल्टी, शैम्पू, गुनगुना पानी, मॉइश्चराइजिंग क्रीम, 2 टेबलस्पून जैतून का तेल, 1 टीस्पून शक्कर और तैलिया चाहिए होगा।

कैसे करें मैनीक्योर

स्टेप- 1 : मैनीक्योर करने के लिए सबसे पहले अपने नाखूनों को कॉटन की मदद से साफ करें। इसके बाद इसे काटकर फाइलर से शेप दें।

स्टेप- 2 : अब टब में गुनगुना पानी और शैम्पू डालकर उसमें कुछ देर हाथ डुबाएं। कुछ देर हाथों को निकालकर इसे ब्रश से साफ करें और फिर तैलिया से साफ कर लें।

स्टेप- 3 : इसके शक्कर और जैतून

के तेल को मक्स करके हाथों को स्क्रब करें। इसके बाद गुनगुने पानी से हाथों को धोकर साफ करें। जैतून का तेल मॉइश्चराइजर की तरह काम करके हाथों को नमी देता है और शक्कर त्वचा से डेड स्किन निकालने का काम करती है।

स्टेप- 4 : हाथों को सूखाने के बाद उसपर मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं और फिर अपनी मनपसंद नेलपॉलिश अप्लाई करें।

घर पर 5 स्टेप में आसानी से करें पेडीक्योर



लड़कियां पैरों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए पार्लर में बहुत सारे पैसे खर्च कर देती हैं। मगर आप होममेड पेडीक्योर द्वारा अपने पैरों को साफ और खूबसूरत बना सकती हैं। इतना ही नहीं, करने के लिए आपको अधिक समय देने की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ 30 मिनट में होममेड पेडीक्योर आपके पैरों को साफ और खूबसूरत बना देगा, वो भी कम खर्च में। तो चलिए जानते हैं घर पर नेचुरल पेडीक्योर करने का तरीका।

पेडीक्योर के लिए सामान : पेडीक्योर करने के लिए आपको नेलपेंट रिमूवर, कॉटन, नेल कटर, नेल फाइलर, तैलिया, प्यूमिक स्टोन, नेल ब्रश, (लूफाह) स्क्रब करने का ब्रश, शहद, मॉइश्चराइजिंग क्रीम, नींबू कटे हुए, गेंदे का फूल, हर्बल शैम्पू, टब और गुनगुना पानी चाहिए होगा।

कैसे करें पेडीक्योर

स्टेप- 1 : पेडीक्योर करने से पहले अपने पैरों के नाखूनों को साफ कर लें। इसके बाद इसे काटकर नेल फाइलर से शेप दें।

स्टेप- 2 : टब में गुनगुना पानी डालकर उसमें नींबू स्लाइस और गेंदे के फूल की पत्तियां डालें। अब इसमें 10-15 मिनट तक पैर डालकर रखें। जब पैरों की त्वचा नर्म हो जाए तो नाखूनों को

ब्रश से साफ करें। एडिओं को साफ करने के लिए प्यूमिक स्टोन का इस्तेमाल करें और सारी डेड स्किन निकाल लें।

स्टेप- 3 : इसके बाद नींबू की स्लाइस को पैरों पर हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज के बाद पैरों को गुनगुने पानी से धोकर तैलिया से साफ कर लें।

स्टेप- 4 : अब स्क्रबर में 2 टीस्पून

शहद और मॉइश्चराइजिंग क्रीम मिलाएं। अब इससे अच्छी तरह पैरों को स्क्रब करें। स्क्रब करने के बाद पैरों को गुनगुने पानी से साफ करें।

स्टेप- 5 : पैरों को धोने के बाद इसे अच्छी तरह पोछकर तैलिया से साफ करें। पैरों को सूखाने के बाद उसपर क्रीम लगाएं और फिर अपनी मनपसंद नेलपॉलिश अप्लाई करें।

08

मुंबई हलचल

मुंबई, शनिवार
7 जून, 2025

عيد مبارك



सभी देशवासियों को त्याग एवं कुर्बानी का पर्व

ईद-उल्ल-अज़िहा

की तहेदिल से मुबारकबाद

दिलशाद एस. खान

संपादक - दै. मुंबई हलचल

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र अध्यक्ष व प्रभारी (एबीपीएसएस)